@ 8PM

SST TGT

SST-TGT

सूर्यातप (Insolation)

- सूर्य से पृथ्वी तक पहुंचने वाली ऊर्जा को ही Insolation कहते हैं।
- कैलोरी में मापा जाता है।
- पृथ्वी सूर्य से प्राप्त होने वाली ऊर्जा का 2 अरब वां हिस्सा प्राप्त
- 2 कैलोरी/cm^2/मिनट
  "2 लैंगली" = "सौर स्थिरांक"

सूर्यातप को प्रभावित करने वाले कारक

- अक्षांश (निम्न अक्षांश - उच्च अ
- दिन की अवधि (ग्रीष्म - Insol
- सौर कलंकों की संख्या (शीत - Insol
- पृथ्वी का अपने अक्ष पर झुकाव
- वायुमण्डल की पारदर्शिता

सूर्य
शीतकटिबंध
उत्तरी ध्रुव वृत्त
शीतोष्ण कटिबंध
कर्करेखा
ऊष्ण
कटिबंधीय
क्षेत्र
विषुवत रेखा
मकररेखा
शीतोष्ण कटिबंध
दक्षिणी ध्रुववृत्त
शीत कटिबंध
SP

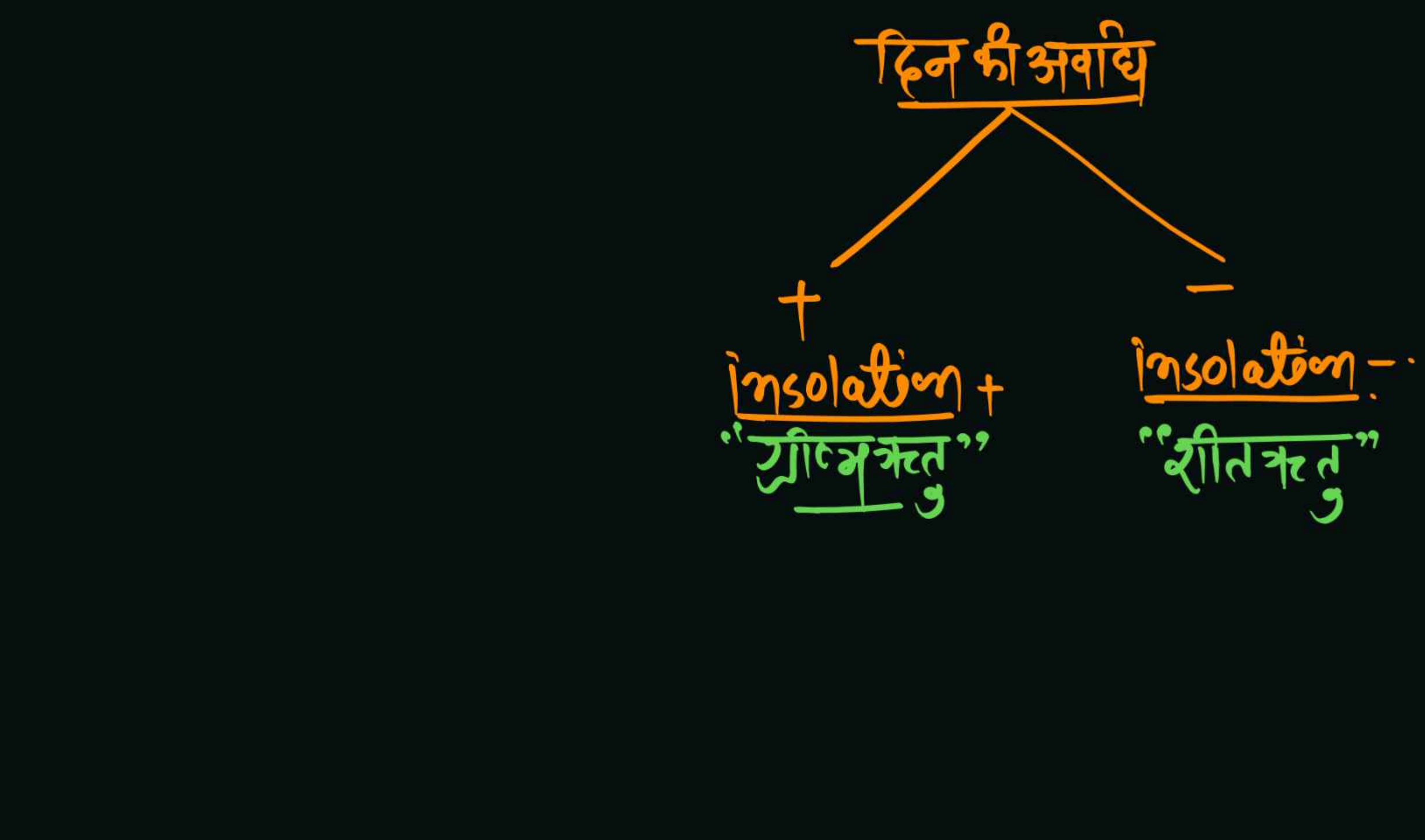
दिन की अवधि
+
-
Insolation +
"ग्रीष्मऋतु"
Insolation -
"शीतऋतु"

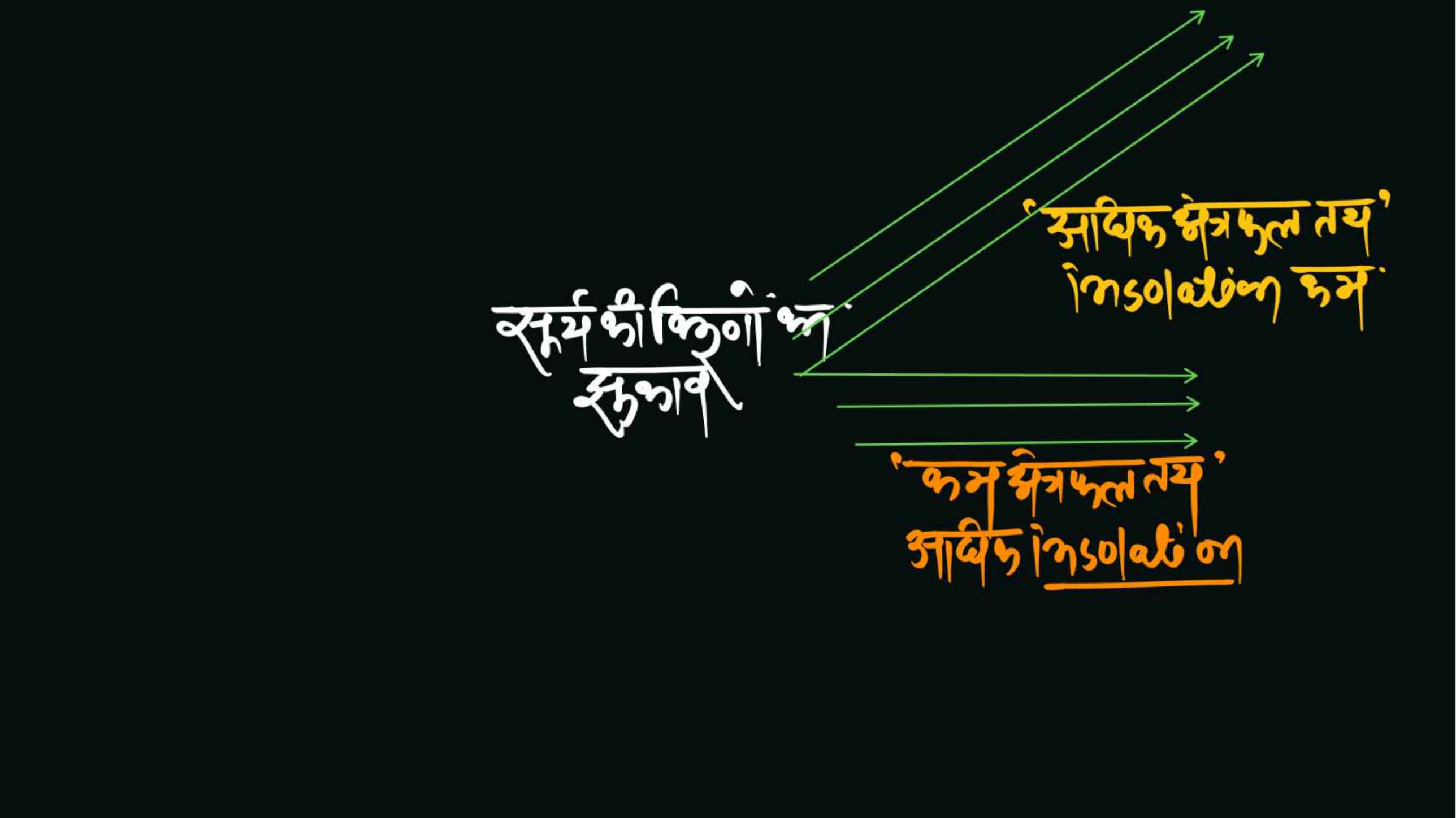
सूर्य की किरणों का झुकाव
अधिक क्षेत्रफल तथ
Insolation कम
कम क्षेत्रफल तथ
अधिक Insolation

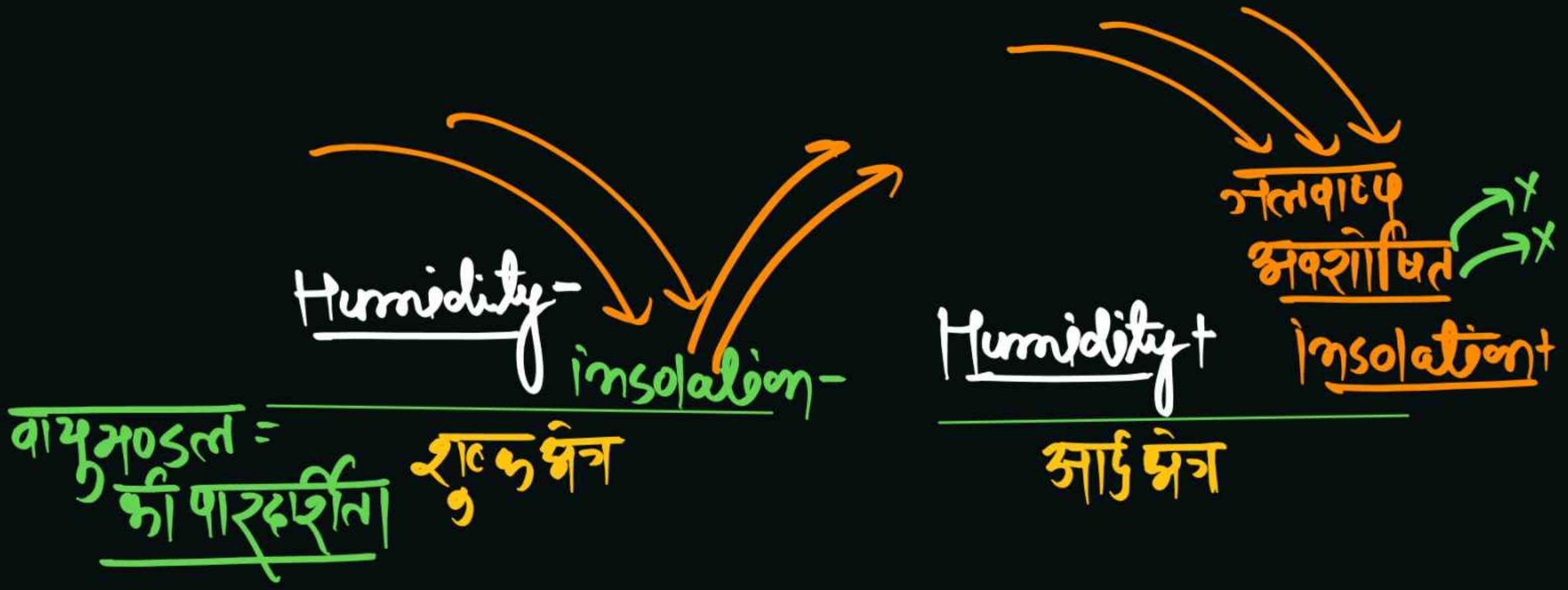
Humidity-
insolation-
वायुमण्डल =
की पारदर्शिता
शुष्क क्षेत्र
जलवाष्प
अवशोषित
Humidity+
insolation+
आर्द्र क्षेत्र

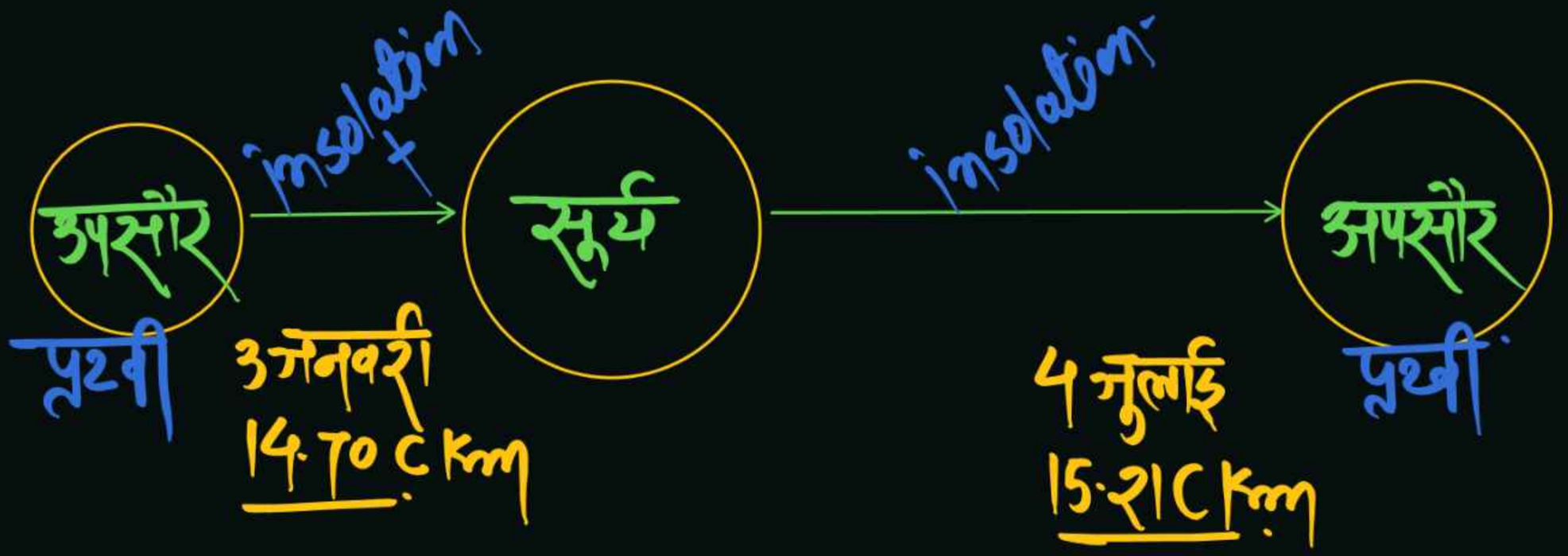
अपसौर
पृथ्वी
insolation
सूर्य
3 जनवरी
14.70 C km
insolation
अपसौर
पृथ्वी
4 जुलाई
15.21 C km

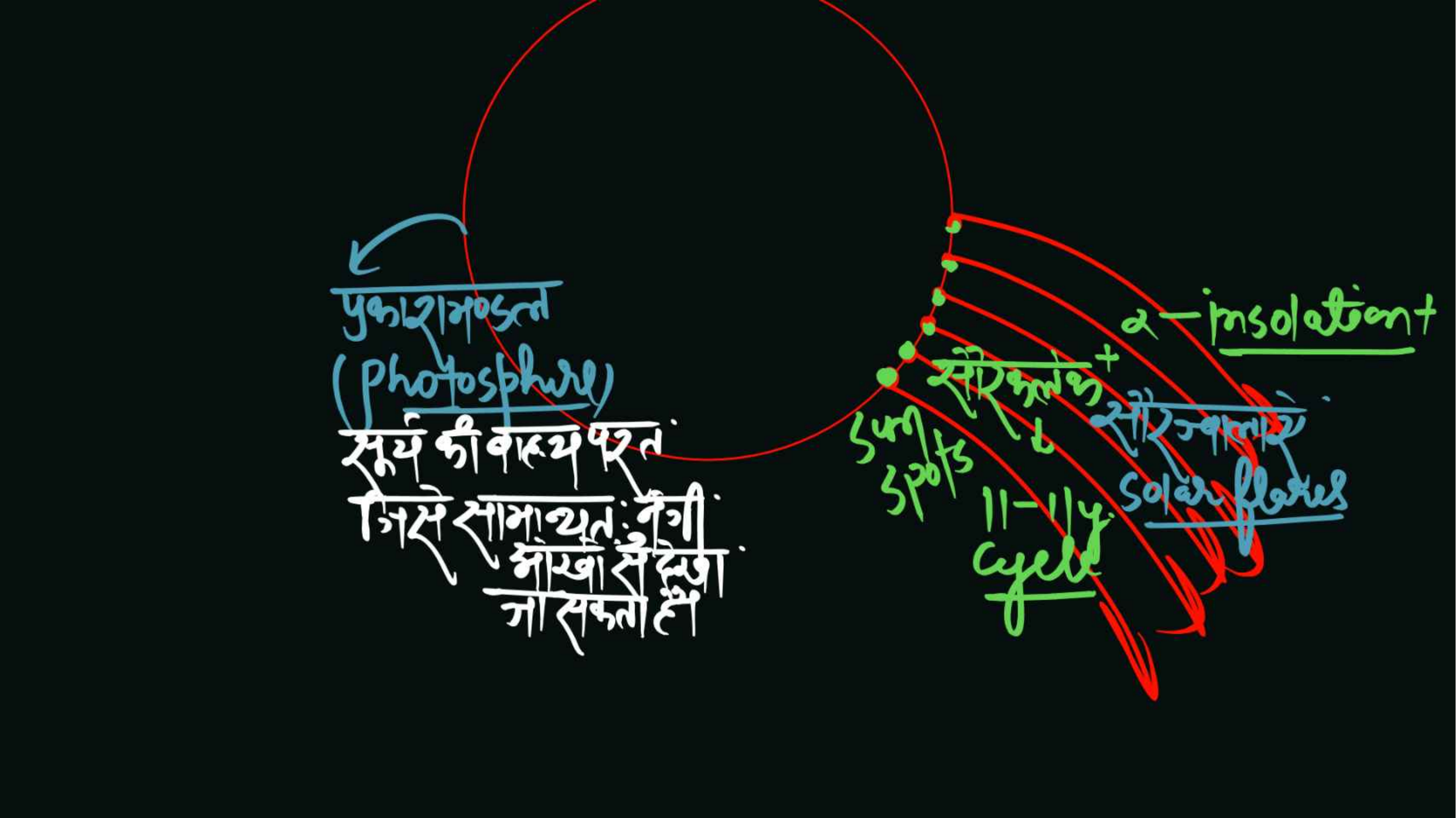
प्रकाशमंडल
(Photosphere)
सूर्य की वह्य परत
जिसे सामान्यतः हम
आँखों से देख
जा सकता है
Sun spots
सौरकलंक
11-11½
cycle
a-insolation
सौरज्वालाएँ
Solar flares

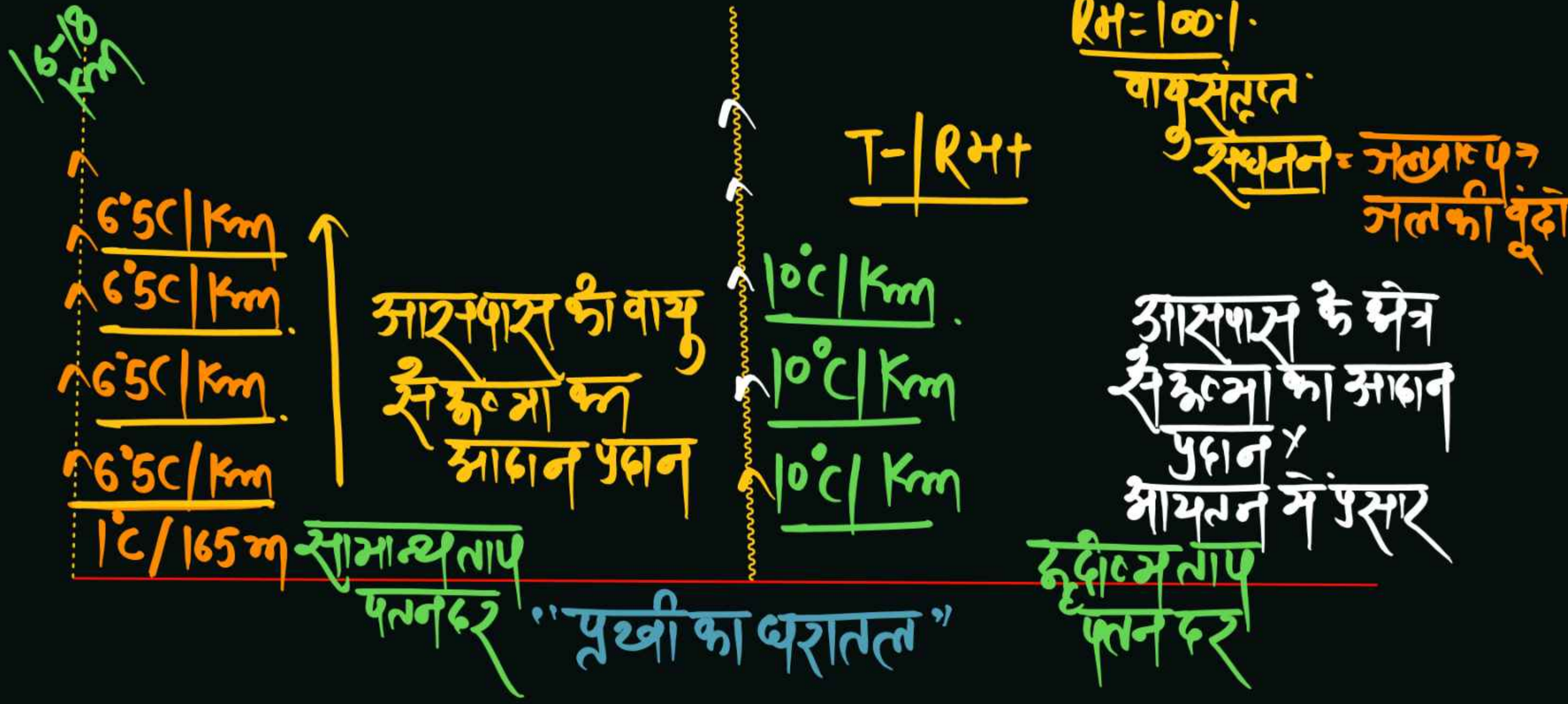
16-18 किमी
6.5°C/1km
6.5°C/1km
6.5°C/1km
6.5°C/1km
1°C/165 मी
सामान्य ताप पतनदर
आसपास की वायु से ऊष्मा का अवशोषण
"पृथ्वी का धरातल"
T-RMT
10°C/1km
10°C/1km
10°C/1km
RM=100:1
वायुसंचरण
स्थानान्तरण = जलवाष्प + जल की बूंदों
आसपास के क्षेत्र से ऊष्मा का आगमन
प्रधान
आयतन में प्रसार
वृद्धिमान ताप पतनदर

ओसांक – वर्षा

धरातल = कुहरा, कुहासा

हिमांक = हिमवर्षा, ओले
0°C ↓ पाला = धरातल

Thank
you.